Creating a better world for Women and Children

होतई

सृजन फाउंडेशन का त्रैमासिक न्यूजलेटर

संपादन : टीम सृजन फाउन्डेशन | अंक : सप्तम | जुलाई–सितम्बर 2017

थीम

- महिला सशक्तिकरण एवं जेंडर न्याय
- किशोरी सशक्तिकरण
- संस्थागत विकास
- बाल अधिकार एवं संरक्षण
- सतत् कृषि, आजीविका संवर्धन
- सामुदायिक स्वास्थ्य एवं जागरूकता

महिला सशक्तिकरण और जेंडर न्याय

लोकल सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों का जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा पर क्षमता वर्धन

रांची, 5-8 जुलाई, झारखण्ड के 11 जिलों के 86 लोकल सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों (50 स्वयं सहायता समूह और 36 किशोरीयों) को लिंग, लिंग–भेदभाव, पितृसत्ता, घरेलु हिंसा, बाल विवाह और लोकल सपोर्ट ग्रुप के भूमिकाओं पर क्षमता वर्धन किया गया. प्रशिक्षण दो बैचों में सम्पन्न हुआ।

"अस्मिता नेटवर्क" के साथियों का समीक्षा बैठक

रांची, 23 अगस्त, अस्मिता नेटवर्क के 13 साथी संस्थाओं का छह मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन नव जागृति केंद्र, रांची में संपन्न हुआ. इस समीक्षा का उद्देश्य विगत माह के कार्य प्रगति पर समीक्षा करना साथ ही साथ आगामी माह का सहभागी नियोजन करना था.

पारा लीगल कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण

रांची, अगस्त 24-25, नव भारत जागृति केन्द्र में दो दिवसीय "रिफ्रेशर ट्रेनिंग" का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में 13 पारा लीगल केस वर्कर्स के साथ पिछले प्रशिक्षण की सीख तथा उनके द्वारा किये गए कार्यो का विश्लेषण किया गया. महिला हिंसा एवं भेद भाव से सम्बंधित कानूनी प्रकियाओं पर समझ विकसित करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था. पारा लीगल कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित एवं जागरूक करने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण का आयोजना समयांतराल पर आयोजित की जाती है।

"जेंडर चैंपियंस" के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण

बेड़ो (राँची), 6 सितम्बर 2017 : "जेंडर चैंपियन" का बेड़ो के ईटा पंचायत भवन में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। नवम्बर–दिसम्बर 2016 में आयोजित "एक–साथ" अभियान के दौरान सृजन फाउंडेशन के द्वारा 10 गाँवों से 27 पुरुषों को चिन्हित किया गया था, जो महिलाओं के प्रति संवेदनशील है। "जेंडर चैंपियन" पुरुषों के व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने, प्रोत्साहित करने एवं जेंडर समानता के प्रति उनके समझ को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हिंसा के खिलाफ एक दिवसीय कार्यशाला

रॉंची, 20 सितम्बर'17, जब परियोजना की शुरुआत हुई, उस समय से कार्यक्षेत्र में किशोरियों के साथ 2 यौनिक हिंसा की घटनाएँ सामने आयी जिसमें गाँव के पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रभावशाली लोगो के द्वारा यौनिक हिंसा के मामले को इज्जत के नाम पर गाँव में ही दबा दिया गया या दबाने की कोशिश की गयी। इस कारण हिंसा के खिलाफ पंचायत के प्रतिनिधियों एवं प्रभावशाली लोगो के साथ हिंसा के खिलाफ कार्यशाला आयोजित करने की जरूरत महसूस हुई ।

हिंसा के खिलाफ ईटा पंचायत भवन में संस्था के सचिव श्री स्वपन मन्ना की आगुवाई में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आयोजन से गाँव के 45 पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रभावशाली लोगो के बीच हिंसा पर समझ बढ़ाने प्रयास किया गया।

परियोजना समन्वयकों के साथ जेंडर समानता पर प्रशिक्षण

रांची, 26 अगस्त 2017 को सृजन फाउंडेशन के परियोजना समन्वयकों के साथ जेंडर समानता में पुरुषों की भूमिका पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सभी पुरुष समन्वयक परियोजना में काम करते हुए किस प्रकार के जेंडर समानता के लिए प्रयास कर सकते है और व्यक्तिगत स्तर से इसकी शुरुआत करने आवश्यकता है, पर चर्चा किया गया। प्रशिक्षण में सभी साथियों ने अपनी जिंदगी के अनुभवों को साझा किया जहाँ पर उन्होंने समानता के लिए प्रयास किया।

बदलाव की कहानी

अमित कुमार लमकाना गाँव के रहने वाले है और शुरुआत से "समझदार जीवन साथी –जिम्मेदार पिता कार्यक्रम से जुड़े है। अमित ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि "पहले मेरा सोच था कि घर में महिलाओं के ऊपर बहुत ज्यादा कार्यबोझ होता है। जब कार्यक्रम से जुड़े तब सृजन कार्यालय, रांची में महिला और पुरुषों के कामों की सूची तैयार की गयी तो मुझे एहसास हुआ कि मैं जिसके बारे में सोचता हूँ वैसा ही सूची तैयार हुआ है। इसके बाद मैं अपने घर के कामों में माँ और भाभी सहयोग करने लगे''।

आगे अमित बताते हैं कि शादी के बाद ससुराल में समय बिताने का मौका मिला। वहाँ उन्होंने पत्नी, उनकी माँ तथा बहन को कार्यों में व्यस्तता के कारण परेशान महसूस किया। उन्होंने निश्चय किया कि वे अपनी पत्नी को घरेलू कार्यों में मदद करेंगे।

उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर बर्तन धोया। अमित की पत्नी आरती से बात करने पर उन्होंने बताया की "मेरी माँ अमित के द्वारा बर्तन धोने पर गुस्सा हो रही थी और बोल रही थी कि घर के दामाद को सबका जूठा बर्तन नहीं धोना चाहिए सब लोग क्या कहेंगे? अमित मेरे लिए बेस्ट हस्बैंड ऑफ द वर्ल्ड है। ये बात मैं अपने घर में सभी लोगो को भी बोलती हूँ।"

परियोजना में जुड़ने के बाद अमित को महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता को बल मिला है और वे नि:संकोच भागीदारी के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

ग्लोबल फोरम में JATN का प्रतिनिधित्व

थाईलैंड 17-19 अगस्त, JATN के राज्य संयोजक सह समन्वयक ने GAATW के बैठक में भाग लेने के लिए थाईलैंड का दौरा किया, जहां विश्व से विभिन्न संगठनों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला मे पलायन और उससे संबंधित मानव अधिकारों के मुद्दों पर अपने देश के अनुभवों को साझा किया गया। GAATW एक प्रमुख संगठनों में एक है, जिसका मानना है कि मानव अधिकारों और सामाजिक गतिशीलता के अन्य पहलुओं पर विचार किए बिना तस्करी के मुद्दे को संबोधित करना, मुद्दे को कम संवेदनशील बनाता है और अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह विचार GAATW और JATN के विचारों के साथ मेल खाता है।

ट्रैफिकिंग ऑफ पर्सन्स बिल पर क्षेत्रीय स्तर कार्यशाला का आयोजन

जुलाई (गुमला, हजारीबाग, दुमका) : ''ट्रैफिकिंग ऑफ पर्सन्स बिल 2016'' पर चर्चा करने तथा झारखण्ड के सन्दर्भ में इसके महत्वता को साझा करने के लिए राज्य के तीन जिलों में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य झारखंड के परिपेक्ष में तस्करी, बाल मजदूरी, आधुनिक दासता के मुद्दों को यह बिल कैसे संबोधित करता है, इसके महत्व पर जागरूकता फैलाना तथा झारखंड के लिए काम कर रहे संगठनों से बिल पर फीडबैक लेना था और साथ ही साथ बिल को सशक्त बनाने के लिए तथा लागू करवाने के लिए मुद्दे पर जमीनी वास्तविकताओं के अनुसार जरूरतों को शामिल करना था।

क्षेत्रीय बैठकों का विवरण

दिनांक	स्थान	क्षेत्र	प्रतिभागी	संख्या
11-7-17	अरोउस, गुमला	साउथ छोटानागपुर डिवीजन	AHTU प्रभारी, CWC members, NGO Representative, DCPU,	28
18-7-17	होटल श्री विनायक, हजारीबाग	नार्थ छोटानागपुर डिवीजन		30
26-7-17	जोहार एच. आर. डी, दुमका	संथाल परगना		26

केस वकर्स का तथ्य शोधन/केस अध्ययन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

रांची, 6-7, जुलाई '17, जतन के नेटवर्क साथी संस्थाओं के केस वर्कर्स का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन जन विकास केंद्र, हजारीबाग में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जतन केस वर्कर्स को केस वर्क तथा तथ्य शोधन पर प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में तकनिकी सहयोग रेशमा जी (आली, झारखण्ड) के द्वारा दिया गया. इस प्रशिक्षण में 11 सदस्य साथियों ने हिस्सा लिया और केस वर्क तकनीकों को सीखा।

IWG (Interim Working Group) और APCO के साथ कार्यशाला का आयोजन

दिल्ली, 29 अगस्त'17 : दिल्ली में IWG और APCO के साथ अभिसरण (convergence) के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य Trafficking of Person's Bill 2016 (TOP) को समर्थन देने हेतु राष्ट्रिय स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए APCO से मदद लेना ताकि इनके माध्यम से एडवोकेसी को उचित प्रभाव और सकारात्मक गति दी जा सके।

किशोरियों के जीवन कौशल पर प्रशिक्षण

हजारीबाग, 12-15 सितम्बर, 17 किशोरियों के जीवन कौशल और जेंडर मुद्दे पर क्षमता वर्धन करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 35 किशोरियों ने हिस्सा लिया।

AHTU (एंटी ट्रैफिकिंग युनिट) के अध्ययन पर उन्मुखीकरण

हजारीबाग, जुलाई 8 जुलाई'17 : जन विकास केन्द्र में झारखण्ड एंटी ट्राफीकिंग नेटवर्क (जतन) के द्वारा झारखण्ड में AHTU (एंटी ह्यूमन ट्राफीकिंग यूनिट) जो वर्तमान में 8 जिलों में कार्यरत्त है, की परिस्थिति विश्लेषण करने के लिए अध्ययन पर उन्मुखिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 12 संस्थाओं ने हिस्सा लिया और इस अध्ययन को करने के लिए प्रपत्र पर चर्चा किया गया।

केस वर्कर्स का माइग्रेंट फोरम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

रांची, 24-25 अगस्त' 17, दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन ''जतन संसाधन केंद्र'', रांची में किया गया। इस प्रशिक्षण में संस्था सदस्यों के 13 केस वर्कर साथियों ने हिस्सा लिया. प्रशिक्षण में "चेंज मंत्राज" के श्री रूप सेन जी ने माइग्रेंट फोरम (पलायन कर्ता समूह) के साथ कार्य करने के तकनीकों को बतलाया. पलायन कर्ता समूह के गठन में आ रही समस्याओं को क्षेत्रीय केस वर्कर्स ने साझा किया और उनसे सुझाव प्राप्त किये।

चयनित महिला प्रतिनिधियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

बेड़ो, 17-19 अगस्त' 17, महिला पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ''क्रिया, दिल्ली'' के ओर से ''मंथन संस्था'' के द्वारा पंचायत की शक्ति और प्रतिनिधियों के अधिकारों पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में कुल 70 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और ग्राम स्तरीय प्रशासन व्यवस्था को समझा।

बाल अधिकार एवं संरक्षण

कोयला खनन क्षेत्र में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

कुज्जू, रामगढ़ : 30 अगस्त'17 को कुज्जू खनन क्षेत्र के हेसागड़ा में यूवा क्लब के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में कुज्जू, हरकापत्थर और जोड़ाकरम के 58 खिलाड़ियों (बालक एवं बालिका दोनों) ने हिस्सा लिया। किशोर–किशोरीयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम खिलाडियों को अपने जीवन को बेहतर नेतृत्व के लिए प्रेरित करना था।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडोतोलन का आयोजन कुज्जू क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में आस पास के गांवों के 105 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया और अपने कला का प्रदर्शन भी किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मनोहरपुर क्षेत्रीय कार्यालय में भी झंडोतोलन किया।

ग्राम स्तरिय बाल संरक्षण समिति का एक दिवसीय प्रशिक्षण

कुज्जू, रामगढ़, 9 अगस्त' 17 को किशोरियों के अधिकार एवं संरक्षण पर केन्द्रित करते हुए ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 23 सदस्यों ने भागीदारी किया और किशोरी के परिस्थितियों पर चर्चा की गयी।

जरुरत आधारित सहायता के अंतर्गत बच्चों के परिवारों को सहयोग

कुज्जू, रामगढ़, वैकल्पिक बाल देखभाल के परिवारों को जरुरत के आधार पर सहयोग के लिए चिन्हित किया गया और उन्हें 13 सितम्बर'17 को सहायता प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था वैकल्पिक देखभाल परिवार के बच्चों तथा उनके परिवारों के क्षमता विकास एवं सहयोग के लिए कार्यरत्त है। "वैकल्पिक बाल देखभाल परियोजना" के अंतर्गत कुज्जू एवं हजारीबाग में विपरीत परिस्थिति के बच्चों तथा देखभाल करने वाले परिवारों को सशक्त करने के लिए प्रयत्नशील भी है। इस परियोजना के अंतर्गत बच्चों के विकास और उनके परिस्थिति में बदलाव के लिए उनके पालक परिवार तथा आस पास के वातावरण को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाता है। साथ ही साथ बच्चे सर्वांगीण विकास के लिए सहयोग एवं क्षमता वर्धन किया जाता है, ताकि बच्चों को उनके रिश्तेदारों से बेहतर देखभाल एवं प्यार मिल सके।

शिक्षक दिवस का आयोजन एवं प्रोत्साहन

कुज्जू, रामगढ़, 5 सितम्बर'17 को जोड़ाकरम विद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने समाज के प्रति शिक्षकों के योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था वैसे शिक्षकों को सम्मानित करती है, जिन्होंने कोयला खनन क्षेत्र में विपरीत परिस्थिति के बच्चों के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

तेजस्वीनी परियोजना के कार्यों का प्रधान सचिव के द्वारा समीक्षा

रामगढ़, तेजस्वीनी परियोजना के अंतर्गत कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए श्री मुखप्रीत सिंह भाटिया, प्रधान सचिव (महिला, बाल विकास एवं सामजिक सुरक्षा, झारखण्ड सरकार) ने रामगढ़ का दौरा किया। रामगढ़ जिला सभागार में प्रधान सचिव, उपायुक्त रामगढ़, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, परियोजना सर्वेक्षिका, उप–विकास आयुक्त के साथ सृजन फाउंडेशन से परियोजना के विशेषज्ञ सदस्य उपस्थित थें। इस बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा की गयी. तेजस्विनी परियोजना के साथियों ने इस कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की तथा परियोजना अंतर्गत किये जा रहे कार्यों को साझा किया।

बाल अधिकार एवं संरक्षण के सीख पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

रांची, 13 जुलाई'17: झारखण्ड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के साथ सृजन फाउण्डेशन ने राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें राज्य भर से जिलों के बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। राज्य में बाल अधिकार एवं संरक्षण के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों को साझा किया गया और साथ ही साथ बाल संरक्षण के पहलुओं पर चर्चा की गई।

राष्ट्रिय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए एक प्रयास

रांची : सृजन फाउंडेशन के द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से झारखण्ड के तीन जिलों लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा के छः प्रखंडों राष्ट्रिय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन की निगरानी के साथ साथ हितधारकों का क्षमता–वर्धन का कार्य किया। इस दौरान परियोजना टीम के सदस्यों ने जिलों के स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाडी केंद्र, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों का भ्रमण कर परिस्थितियों का विश्लेषण किया और किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य एवं साफ सफाई को बढ़ावा देने का प्रयत्न किया गया।

आजीविका संवर्धन कार्यक्रम

महिला कि

मनोहरपुर, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के अन्तर्गत सृजन फाउण्डेशन के द्वारा 2017 अगस्त –सितम्बर महीने के अलग – अलग दिनों में मनोहरपुर प्रखण्ड के 6 पंचायत (रायकेरा, रायडीह, बरंगा, कोलपोटका, लाइलोर व मनोहरपुर पूर्वी) के 26 गांवों के 300 महिला किसानों को कृषक पाठशाला ,रायकेरा का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को विभिन्न मॉडल के बारे में जानकारी देना था, ताकि महिला किसान तथा समुदाय संसाधन सेवी कृषि व जैविक कीटनाशक / खाद का खुद प्रयोग करे तत्पश्चात वे गांव की अन्य महिला किसानों को भी इसे प्रयोग करने के लिए प्ररित करे। भ्रमण के माध्यम से महिला किसानों ने कृषक पाठशाला में वर्मीवाश, अजोला, वर्मी कम्पोस्ट, 36 × 36 मॉडल व मचान विधि बनाने की विधि, प्रयोग करने का तरीका व लाभ के बारें में जाना।

पशु सखियों व समुदाय संसाधन सेवियों का पशुपालन रिफ्रेशर प्रशिक्षण

मनोहरपुर: सृजन फाउण्डेशन के द्वारा महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के अन्तर्गत नन्दपुर पंचायत भवन मनोहरपुर में 13 को CRP व पशु सखियों (पारा भेट) का एक दिवासीय पशुपालन प्रशिक्षण और 20 से 21 सितम्बर'17 को दो दिवासीय पशुपालन रिफ्रेशर प्रशिक्षण किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य CRP व पशु सखियों का क्षमता विकास करना व पुर्व की प्रशिक्षणों में बतायी गयी बातों की पुनरावृति करना था। सृजन फाउण्डेशन की ओर से झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के द्वारा प्रशिक्षित SRT हेरन सुरीन व डॉ. संजय कुमार (प्रखण्ड पशुचिकित्सा पदाधिकारी) ने उपस्थित प्रतिभागियों को जानकारी दी।

प्रशिक्षण में मनोहरपुर प्रखंण्ड के 5 पंचायत के 30 गांव की 10 पशुसखी और 30 CRP नें भाग लिया।

केला की खेती प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन

ईचाक : महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत खैरा कृषक पाठशाला में केला की बागवानी आरम्भ किया गया, जिससे प्रेरित हो कर खैरा की दुर्गा महिला मंडल के सदस्यों ने भी केला बागवानी करना प्रारम्भ किया। महिला मंडल की सदस्यों ने सामूहिक रूप से 200 केला के पौधों बागवानी किया। इस सामूहिक प्रयास से प्रभावित होकर 50 गाँव के महिला किसानो ने केला की बागवानी शुरू किया है। ईचाक प्रखंड में पहले केला का बागवानी नही होता था। यहाँ के किसानों की अवधारणा थी कि केला का पौधा इचाक में रोपाई करने से फायदा नही होगा इसमें सृजन फाउंडेशन के द्वारा केला का बागवानी प्रारंभ किया, जिसको देख कर किसानों ने इसका रोपाई शुरु किया। अभी ईचाक प्रखंड में कुल 350 महिला किसानों के द्वारा 10000 केले का पौधा लगवाया गया है।

डोभा ने बदली अमीषा की जिन्दगी

मनोहरपुर प्रखंड के रायडीह पंचायत के सोनपोखरी गाँव की रहने वाली अमीषा कान्डयेंग जो 32 साल की है और दीप स्वंय सहायता समूह की सदस्य है, दो छोटे बच्चे सहित परिवार के साथ इस गाँव में रहती है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नही रहने के कारण स्वंय सहायता समूह से जुडी तथा CFT कार्यक्रम के द्वारा ग्राम सभा में हिस्सा लिया और CFT सदस्य के माध्यम से डोभा निर्माण के फायदा को समझा। इसके बाद ग्राम सभा में 30 x 30 का डोभा योजना का प्रस्ताव किया जो वितीय वर्ष 2015-16 में लिखवाया उसके बाद सही स्थान का चयन करके डोभा का निर्माण

करवाया।

अमीषा का कहना है कि – "डोभा निर्माण से हमारी परती जमीन में जान आ गई, फिर से खेती होने लगी है, साथ ही साथ मछली पालन से उन्हें एक रोजगार मिला है"। इससे प्रोत्साहित होकर समूह की दूसरी दीदी भी ग्राम सभा में अपनी भागीदारी सुनिचित की और डोभा निर्माण करवाया है ।

कृषक पाठशाला के माध्यम से जैविक कृषि को बढावा

महिला किसान सशक्तिकंरण परियोजना के माध्यम से सृजन फाउंडेशन हजारीबाग तथा पश्चिमी सिंघभुम के २ प्रखंड ईचाक और मनोहरपुर में कृषक पाठशाला का निर्माण किया है।इसके माध्यम से दोनों प्रखंड के महिला किसानों का क्षेत्र भ्रमण के द्वारा क्षमता निर्माण का कार्य करता है।महिला किसानों को अपने क्षेत्र में ऐसे मॉडल को देखकर प्रेरणा मिलती है और प्रेरित हो कर महिला किसान अपने भूमि में ऐसे मॉडल का निर्माण करती हैं जिससे परिवार को खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक सुरक्षा मिलती है। कृषक पाठशाला जैविक कृषि को बढावा देने में भी सहयोग करता है

संस्थागत विकास

संस्थागत विकास पर आयोजित कार्याशाला में भागीदारी

रांची 17-19 अगस्त' 17 : सृजन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने USAID और ''वाइट रिबन अलायन्स'' के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भागीदारी किया। इस कार्यशाला में संस्थागत विकास और वित्तीय प्रबंधन के पहलुओं को सीखा। हालाँकि सृजन संस्थागत विकास की प्रक्रिया से गुजर रहा है, इस दौरान समुदाय आधारित संस्थाओं के लिए आयोजित यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण रहा।

मीडिया और एडवोकेसी पर कार्यशाला का आयोजन

रांची : 30-31 अगस्त : सृजन फाउंडेशन के साथियों ने मीडिया और एडवोकेसी पर आयोजित कार्यशाला में भागीदार किया। ''प्रिया, दिल्ली'' के तकनीकी सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला एडवोकेसी के लिए मीडिया का उपयोग के तकनीकों को सीखा। इस कार्यशाला में मीडिया के माध्यम से संस्था के कार्यो को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने के कौशल को सीखा, ताकि बड़े स्तर पर जन जागरण के लिए उपयोगी हो सके।

मीडिया कवरेज

कार्यशाला में मानव तस्करी रोकने पर हुई चर्चा

महिलाओं के परिश्रम से लहलहाई बंजर जमीन

ह्यूमन ट्रैफिकिंग के लिए कार्यशाला

सरोकार

महिलाओं के परिश्रम से लहलहाई बंजर जमीन

टाटीझरिया (हजारीबाग) : घर की दहलीज में बंधी महिलाओं ने कमर क्या कसी, हालात बदल गए। प्रखंड के खैरा गांव की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास से उस जमीन पर खेती शुरू की जिसे बंजर बता पुरुषों ने हाथ खड़े कर दिए थे। केले की खेती से आज यहां चारों ओर हरियाली नजर आती है। ● पेज 10

SRIJAN FOUNDATION
106, Bijoy Enclave, Heerabag Chowk, Matwari
Hazaribagh–825301 Jharkhand
Contact– 094727–51906, 06546 –270523
Email– srijanfoundationjkd@gmail.co
Website : www.srijanjhk.org

अपील: महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार तथा सुरक्षित वातावरण निर्माण करने के लिए हम प्रबुद्ध व्यक्तिजनों, संस्थाओं एवं अन्य एजेंसियों से अपील करते हैं कि हमें स्वैच्छिक सहयोग एवं सहायता करें।

आप हमें सहयोग हमारे वेबसाइट : www.srijanjhk.org के माध्यम से कर सकते हैं।

Disclaimer: The Newsletter contains information about the work done by Srijan Foundation. You are receiving this Newsletter because you are in our network or would have visited to our office.